हमारे एम० आई० डी० की भी वहां के चीफ मिनिस्टर से बात हुई हैं। अब तक जो इंडीकेशन्ज हैं, उनकी बिना पर कहा जा सकता है कि इसमें सैबोटेज की कोई बात नहीं है।

वहा पर हमारे काफ़ी सिक्युरिटी मेजर्ज थे। आग करीब सवा बजे लगी। अब तक की प्रिलिमिनरी एनक्वायरी से मालूम होता है कि शार्ट सर्कट ही इस आग का कारण है। सवा करोड रुपये की जो बात मैंने कही है, वह यह है कि इतना हम लोगो ने बचाया है। यह नही कहा हैं कि इतना नुकसान हुआ है। नुकसान 65 लाख रुपये का हुआ है। सवा करोड रुपये का नुकसान हमारे लोगो ने होने से बचा लिया है, जो मौके पर थे, और जो बहुत जल्दी, फौरन, वहा आ गए थे। उन्होने बहुत बहादुरी के साथ उस सामान को बचाया, जिसमें एक ओ० वी० वैन ही 80 लाख रुपये का था।

12.32 hrs.

ESTIMATES COMMITTEE

TWELFTH AND FIFTEENTH REPORTS AND MINUTES

SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK (Sonepat) Sir, I beg to present the following Reports and Minutes of the Estimates Committee·—

(1) Twelfth Report on the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Irrigation) —Development or Irrigation Facilities

(2) Fifteenth Report on Action Taken by Government on the recommendations contained in their Seventy-ninth Report (Fifth Lok Sabha) on the Ministry of Education and Social Welfare—Youth Education, Youth Welfare and National Integration.

(3) Minutes of sittings of the Committee relating to the above Reports.

12.33 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) NON-PAYMENT OF WAGES OF WORKERS OF TWO SUGAR MILLS IN DEORIA AND GORAKHPUR DISTRICTS

श्री रामधारी शास्त्री (पदरौना) : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में देवरिया ज़िले की लक्ष्मी देवी शुगर फैक्टरी, छितौनी और गोरखपुर जिले की घुघली चीनी मिल की स्थिति की ओर मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं।

लक्ष्मीदेवी शुगर फैक्टरी छितौनी मे मजदूरों का वेतन पिछले नौ महीनो से बाकी है। लगातार नौ महीनो से मजदूरो को वेतन नही मिला। उनके बोनस, ग्रैचुइटी और छुट्टी के वेतन आदि सब को मिला कर उनके ड्यूज 35,03,836 रुपये के होते हैं। इसके अलावा 4 लाख रुपया गन्ना किसानो का बाकी है। अगर सरकार का बकाया भी इसमे मिला दिया जाये, तो लगभग एक करोड रुपया उस फैक्टरी पर बकाया है। यह भी नही है कि प्राइवेट लोग उस फैक्टरी को चला रहे हैं। सरकार ने उसे ले लिया है और रिसीवर द्वारा उसे चलाया जा रहा है। कलेक्टर उसकी देखभाल करता है। फिर भी उसकी स्थिति मे सुधार नही हुआ है। वहां के मजदूरो ने नोटिस दे दिया है कि अगर अब भी उनका वेतन न मिला, तो वे फैक्टरी को बन्द कर देंगे, जिसका लाज़िमी नतीजा यह होगा कि लाखों मन गन्ना खेतो मे बच जायेगा और किसानो की भी करोडो रुपयो की क्षति होगी।

दूसरी फैक्टरी जो गोरखपुर जिले की घुघली फैक्टरी है उसके बारे मे मुझे मालूम हुआ है कि 14 महीने की तनख्वाह मजदूरो को वहां नही मिली और वहा भी लेबर के ड्यूज और किसानों का बकाया सब मिलाकर लगभग 95 लाख रुपया इस फैक्टरी के ऊपर बाकी है। बार बार सरकार

[श्री रामधारी शास्त्री]

का ध्यान इस ओर दिलाया गया मगर कोई जवाब उनकी ओर से नहीं मिलता और इस का कोई सात्यशन नहीं मिलता। .... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You must confine yourself to the statement. You cannot travel outside. You must read only about this matter.

श्री राम धारी शास्त्री : स्टेटमेंट की बात ही कह रहा हूं ।

मेरा निवेदन है कि सरकार इस पर ध्यान दे और इन फैक्टरियों को खुद चलाये। हमने लेबर मिनिस्टर को एक चिट्ठी लिखी थी जिसका जवाब 6 महीने के बाद उन्होंने दिया। इसलिए आपके माध्यम से मैं निवेदन करूंगा कि वह कान में तेल डाल कर सोयें नहीं, जरा इधर ध्यान दें ।

(ii) NEED FOR REOPENING OF RAILWAY SPONSORED STUDENTS HOSTEL AT PATNA JUNCTION.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहूंगा, हमें अफसोस इस बात का है कि हमारे मंत्री लोग यदि कहीं जाते हैं और प्रेस के सामने या जनता के सामने कोई आश्वासन देते है या कोई घोषणा करते हैं तो उसके बाद उनका उसके ऊपर कोई ध्यान रहता है या नहीं ? इसी तरह की छात्रों से संबंधित यह एक घटना है।

रेल सम्पोषित छात्रावास, पटना जंकशन विगत 20 वर्षों से चल रहा था। इस छात्रावास को जे०पी० आन्दोलन समर्थित तत्वों का अड्डा बतला कर आपातकाल में रायफल की नोक पर छात्रों से बलपूर्वक खाली करवाया गया तथा सी०आर०पी० के हवाले कर दिया गया। उक्त छात्रावास को अविलम्ब चालू करने के लिए मंत्री एवं उच्चाधिकारियों का ध्यान बार-बार आकृष्ट किया गया। विभिन्न प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से भी रेल मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया गया। 10 जुलाई, 77 को रेलवे मेन्स यूनियन पटना की खुली सभा में बिहार के मुख्य मंत्री ने उक्त छात्रावास से सी०आर०पी० को हटाने का आश्वासन दिया, जिसे उन्होंने तुरन्त पूरा भी किया। 27 सितम्बर, 77 को रेल राज्य मंत्री ने पटना में महाप्रबन्धक, छात्रों तथा प्रेस प्रतिनिधियों के बीच छात्रावास को अविलम्ब खोलने की घोषणा की। मैंने भी इस संबंध में कई बार लिखित तथा मिल कर मंत्री महोदय का ध्यान आकृष्ट किया। विद्यार्थियों ने सितम्बर 77 में छात्रावास खुलवाने हेतु 9 दिन तक अनशन भी किया। लेकिन रेल अधिकारियों की लालफीताशाही के कारण अभी तक उक्त छात्रावास को नहीं खोला गया है। मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री से आग्रह करूंगा कि विद्यार्थियों को ऐसा मौका न दें जिससे गलत दिशा की तरफ अग्रसर हों। छात्रों में काफी रोष है। उनका भविष्य अन्धकारमय है। एक ओर करोड़ों रुपया रेल कल्याण पर खर्चा किया जा रहा है और दूसरी ओर बनी बनाई संस्था को खत्म करना न्याय-संगत नहीं है। छात्रावास को शीघ्र खोला जाय तथा जिन अधिकारियों के कारण अभी तक छात्रावास खुल नहीं पाया है उन्हें दण्डित किया जाय।

रेल मंत्री (प्रो० मधु दण्डवते) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस सिलसिले में एक निवेदन करना चाहता हूं। पासवान जी ने जो बयान दिया है इसी सिलसिले में छात्रावास के चन्द नुमाइन्दे मुझे मिले थे। मैंने इस सारे सवाल की जांच की है और यह बताते हुए मुझे प्रसन्नता होती है कि कल ही इस सिलसिले में अन्तिम निर्णय हम लेंगे और परसों आपको इसका निर्णय बता देंगे।